Dainik Bhaskar (Indore), 20th January 2026, City Page – 02

एलुमनी

संस्थान के 173 से अधिक पूर्व छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा, उद्देश्य पूर्व छात्रों व संस्थान के बीच संवाद बना रहे

बेंगलुरु में जुटे आईआईटी इंदौर के एलुमनी : उद्योग, शिक्षाविद्, उद्यमिता, स्टार्टअप और लोक सेवा जैसे क्षेत्रों में निभा रहे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर ने बेंगलुरु के व्हाइट फील्ड स्थित एमएलआर कन्वेंशन सेंटर में छठी एलुमनी मीट के साथ बेंगलुरु चैप्टर की दूसरी एलुमनी मीट की। इसमें संस्थान के संकाय सदस्यों, अधिकारियों सहित कुल 235 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही, जबकि 173 से अधिक पूर्व छात्र-छात्राओं ने भी भागीदारी दर्ज कराई।

एलुमनी मीट का उद्देश्य पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच सतत संवाद को मजबूत करना और आपसी सहयोग के नए अवसर तलाशना रहा। आईआईटी से अलग-अलग बैच और विषयों से जुड़े पूर्व छात्र, जो वर्तमान में उद्योग, शिक्षाविदों, उद्यमिता, स्टार्टअप और लोक सेवा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, सभी एक मंच पर नजर आए। आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी ने संस्थान के भविष्य के विजन को साझा करते हुए पूर्व छात्रों की भूमिका को बेहद अहम बताया। उन्होंने कहा- एलुमिनी की उपलब्धियां वर्तमान छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा- मार्गदर्शन, नवाचार, अनुसंधान और उद्योग सहयोग में पूर्व छात्रों का योगदान संस्थान के विकास की रीढ़ है। हम सब मिलकर आईआईटी इंदौर को वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली संस्थान बना सकते हैं।

एसीआर पहल और छात्र-केंद्रित कार्यक्रमों की जानकारी

डीन, पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संबंध (एसीआर) ने एलुमिनी, उद्योग और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए एसीआर कार्यालय द्वारा चलाई जा रही पहलों की जानकारी दी। छात्र कार्य के डीन ने जेनेसिस सहित अन्य छात्र केंद्रित कार्यक्रमों के जरिए छात्रों के समग्र विकास और मजबूत सहभागिता की जानकारी दी। इस दौरान संकाय सदस्यों ने पुराने संस्मरण और अनुभव भी साझा किए।

नेटवर्किंग, संवाद और सांस्कृतिक माहौल

कार्यक्रम में इंटरेक्टिव चर्चाओं और नेटवर्किंग सत्रों के जरिए पूर्व छात्रों को एक-दूसरे से फिर जुड़ने, विचारों का आदान-प्रदान करने और संस्थान के साथ सहयोग के अवसरों पर चर्चा करने का मौका मिला। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और इनफॉर्मल बातचीत ने आयोजन को उत्सव और यादगार बना दिया। पूर्व छात्रों ने बेंगलुरु को आईआईटी इंदौर के बड़ी संख्या में ग्रेजुएट्स का प्रमुख प्रोफेशनल हब बताया।